

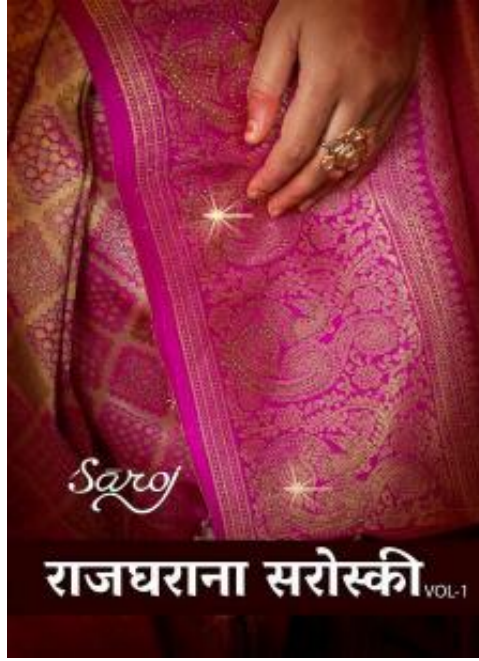


या

हवी

सर्वभूतेषु  
शक्तिरूपिण  
संस्थिता  
नमस्तस्यै  
नमस्तस्यै नमस्तस्यै  
नमो नमो ॥

1001



*Saroj*

राजघराना सरोस्की VOL-1





1001





1002



1003





1004